इन्दिरा गांधी नहर की विवेचना

मानविकी एवं समाजशास्त्र विभाग में पी.एच.डी. की उपाधि हेतु

शोध प्रस्तावना

निर्देशक

शोधार्थी

अनिल गोदारा

मानविकी एवं समाजशास्त्र विभाग

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय जयपुर

2023

अनुक्रमणिका

1.शोध परिचय

2.शोध अध्ययन की आवश्यकता

3.शिक्षा की परिभाषाएं

4.शोध समस्या

5.तकनीकी शब्दावली

6.शोध विधि

7.शोध के चर

8.शोध के उद्धेश्य

9.परिकल्पना

10.अध्ययन में अपनाये जाने वाली विधि

11.शोध का परिसीमन

संदर्भ ग्रन्थ सूची

शोध एवं परिचय

इन्दिरा गांधी नहर राजस्थान की मुख्य नहर है। इसे पहले राजस्थान नहर के नाम से भी जाना जाता था। यह राजस्थान के उत्तर पश्चिम भाग में बहती है। इसे राजस्थान की मरू गंगा के नाम से भी पुकारा जाता है। यह विश्व की सबसे बडी सिंचाई परियोजनाओं में से एक है। बीकानेर राज्य में पानी की समस्या को दूर करने के लिए महाराजा गंगासिंह ने इस नहर का निर्माण सन 1927 में शुरू करवाया था, जिसे गंगनहर नाम दिया था जो आज भी गंगानगर जिले में बहती है।

यह नहर सतलज और व्यास नदियों के संगम पर निर्मित हरिके बॉध से निकाली गयी है। यह नहर पंजाब और राजस्थान को पानी की आपूर्ति करती है। पंजाब राज्य में इस नहर की लम्बाई 169 किमी. है। वहा इसे राजस्थान फीडर के नाम से पुकारा जाता है। ज

शोध अध्ययन की आवश्यकता

इन्दिरा गांधी नहर पर अभी तक विस्तृत और गहराई से शोध नहीं हुआ है। इस नहर पर अध्ययन करने से इस नहर की आवश्यकता, निकालने में कठिनाईयां व इसके परिणाम निकलकर सामने आयेगे। इसके प्रतिकुल चुनौतियों को अनुकूल बनाने में यह शोध कारगर साबित होगा।

1.इन्दिरा गांधी नहर पर अभी तक विस्तृत और गहराई से शोध नहीं हुआ हैं।

2. इन्दिरा गांधी नहर पर शोध करने से वहॉ के भौगोलिक वातावरण का पता चलेगा। वह इस शोध के माध्यम से नवीन योजनायें बनाकर किसान वर्ग को सम्पन्न बनाया जा सकता है।

3.इस पर शोध करने से यहा पर मोजूद संसाधनों का विश्व पटल पर अंकन कर इस क्षेत्र को अंर्तराष्ट्रीय व्यापार की दृष्टि से विकसित किया जा सकता है।

मानविकी एवं समाजशास्त्र की परिभाषा

मानविकी एवं समाजशास्त्र एक ऐसी सामाजिक एवं गतिशील प्रक्रिया है जो एक व्यक्ति के अन्दर मौजूद जन्मजात गुणों का विकास कर व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करती है, और मानविकी एवं समाजशास्त्रीय वातावरण के साथ समायोजन स्थापित करने की योग्यता विकसित करती है।

मैक्स वेबर के अनुसार, ''समाजशास्त्र वह विज्ञान हैं जो सामाजिक क्रिया के व्याख्यात्मक बोध को प्रस्तुत करने का प्रयास करता हैं जिससे उसकी प्रक्रिया व प्रभावों की बुद्धिसंगत व्याख्या की जा सकें।

गिंसबर्ग के अनुसार,''समाजशास्त्र मानवीय अंतक्रियाओं और अंर्तसंबधों उनकी दशाओं और परिणामों का अध्ययन है।

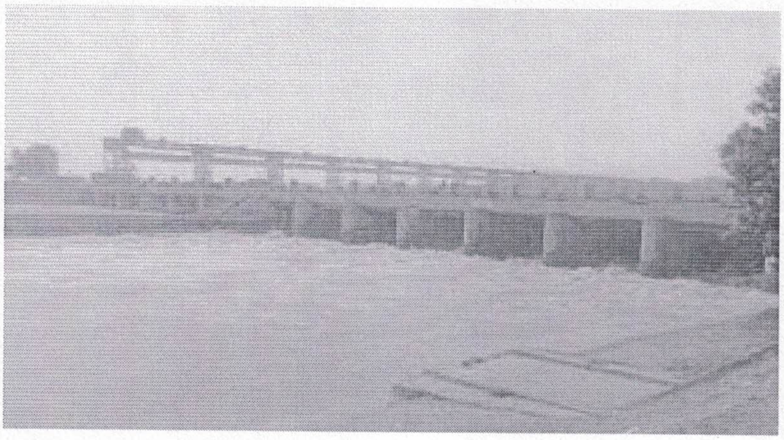

शोध समस्या

इन्दिरा गांधी नहर की विवेचना

तकनीकी शब्दावली

मानविकी का अर्थ –

मानविकी वह शैक्षणिक विषय हैं जिनमें प्राकृतिक व सामाजिक विज्ञानों के मुख्यतः अनुभवजन्य बदलाव के विपरीत इसमें विश्लेषणात्मक, आलोचनात्मक विधियों का इस्तेमाल कर मानविकि का अध्ययन किया जाता है।

मानविकी अध्ययन का उद्धेश्य–

इसके अध्ययन से मानव का मानसिक विकास होता है और वह आगे चलकर मानवीय मुद्धे पूरे जोर तरीके से उठायेगा।

मरूगंगाः–

इन्दिरा गांधी नहर को मरूगंगा के नाम से पुकारा गया है।

सेम समस्या :–

भूमि का भू जल ऊपर आकर भूमि को दलदल में बदल देता है। जिस कारण क्षारियता में वृद्धि होती है। व भूमि की उर्वरता कमजोर होती है।

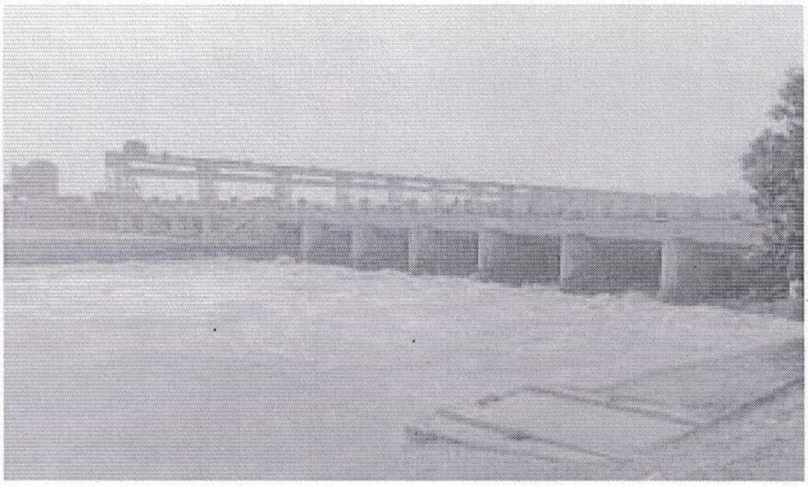

शोध विधि

शोध विधि से तात्पर्य एक निश्चित व्यवस्था के अनुसार अध्ययन करने की प्रणाली से है। शोध अनुंसधान में कई अध्ययन विधियॉ प्रचलित है। इस शोध समस्या के लिए शोधकर्मी नें सर्वेक्षण विधि का चयन किया है।

सर्वेक्षण विधि–

सर्वेक्षण विधि में उन लोगों से प्रश्न पूछकर ऑकडें इकट्ठे कियें जाते है। जिनके बारे में माना जाता है कि उनके पास जानकारी है।

शोध के चर

शोधकर्मी अपनी समस्या से सम्बधित किसी व्यक्ति, वस्तु या घटना अंकित मूल्य रखने वाले गणों की विशेषता या योग्यता का करता है।

'' चर एक गुण है जिसके विभिन्न मूल्य है'' करलिंगर।

प्रस्तुत अध्ययन में दो प्रकार के चरों को शामिल किया गया है

1. प्राथमिक चर– प्राथमिक चर वे मूल आंकडें होते है जिसमें अनुसंधानकर्ता या उसके द्वारा नियुक्त प्रागणक, स्वंय सकत्र शामिल होते है।
2. द्वितीय चर – द्वितीय आंक़डे.प्रकाशित या अप्रकाशित स्त्रोत से प्राप्त होते है।

शोध के उद्धेश्य

मनुष्य जब किसी समस्या को हल करने के लिए सर्वप्रथम उद्धेश्य का निर्धारण करता है। उद्धेश्यहीनता से प्रयास दिशाहीन हो जाते है तथा परिश्रम, धन व्यय हो जाता है। अतः सार्थक प्रयास व बाधित परिणामों को प्राप्त करने के लिए स्पष्ट उद्धेश्य का निर्धारण किया जाता है।

1. इन्दिरा गांधी नहर की विवेचना करना।
2. इन्दिरा गांधी नहर की भौगोलिक विभिन्नताओं को जानना।
3. नहर से हुए आर्थिक विकास का अध्ययन करना।
4. नहर के इतिहास व भौगोलिक विस्तार, शाखाओं व जल वितरण प्रणाली का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पना

इन्दिरा गांधी नहर राजस्थान की जीवन रेखा है। इस नहर का निर्माण महाराजा गंगासिंह के भागीरथी प्रयासों से सम्भव हो पाया।

इस नहर के आने से उत्तरी पश्चिमी राजस्थान के निवासियों का जीवन खुशहाल हुआ है। इस क्षेत्र में आर्थिक सम्पन्नता आयी। इसें एक प्रकार से जलीय क्रांति कह सकते है।

इस नहर पर शोध करने से यहॉ के निवासियों के जीवन में आये बदलावों को समझा जा सकेगा। वह इस शोध से नवीन योजनायें बनाने में मदद मिलेगी।

अध्ययन में अपनायें जाने वाली विधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षणात्मक विधि को अपनाया जायेगा। जिसके माध्यम से शोधार्थी अपने ऑकडों एवं तथ्यों को विभिन्न पुस्तकालयों की पुस्तकीय ज्ञान के आधार पर अपने शोध में रामास्वामी पेरियार की विचारधारा की विवेचना का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।

सर्वेक्षण विधि के माध्यम से तथ्यों को एकत्रित कर सकेगें।

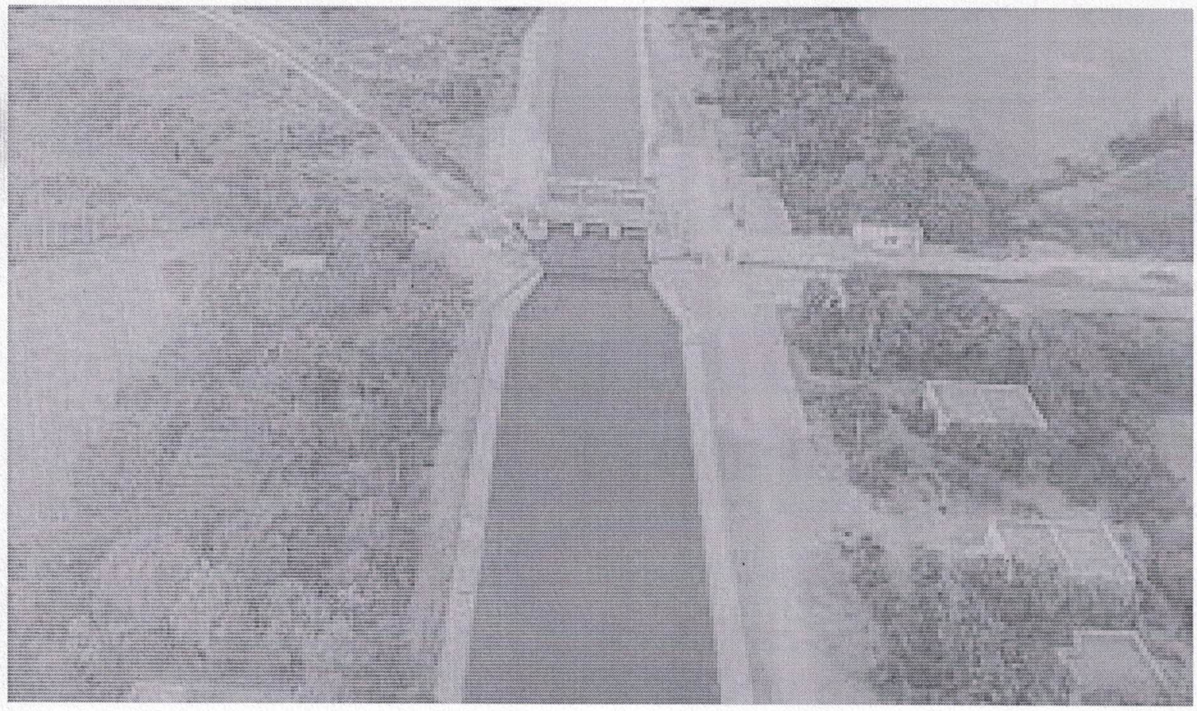

शोध का परिसीमन

1. प्रस्तुत शोध में इन्दिरा गांधी नहर की विवेचना पर अध्ययन किया जायेगा।
2. प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षणात्मक विधि का प्रयोग किया जायेगा।
3. इन्दिरा गांधी नहर का विवेचनात्मक अध्ययन किया जायेगा।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. राजस्थान का भूगोल – डॉ हरि मोहन सक्सेना
2. राजस्थान का भूगोल – प्रो. एच एस शर्मा, डॉ एमल एल शर्मा
3. राजस्थान के परम्परागत जल संसाधन– जितेन्द्र सिंह भाटी